

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ

## पेश लफ़ज़

अल्हम्दुलिल्लाहि रब्बिल आलमीन, वस्सलातु वस्सलामु  
अला रसूलिल्लाहि (ﷺ)

एक अरबी वेबसाइट 'अल मुहीत' ने जर्मनी के म्यूनिख शहर में वाकेअ (स्थित) 'लुडविंग यूनिवर्सिटी' के वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के बाद एक मज़मून छापा, जिसमें तहज्जुद की नमाज़ से मिलने वाले फ़ायदों की जानकारी दी गई थी।

जर्मन वैज्ञानिकों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हर इंसान के जिस्म में एक 'हयातियाती घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक)' होती है जो कि दिमाग़ के अगले हिस्से में पाई जाती है। यह बायोलॉजिकल क्लॉक इंसान के जिस्म में होने वाली हर हरकत पर नज़र रखती है। वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के मुताबिक़ रात के पिछले पहर जागने और नमाज़ पढ़ने से जिस्म पर बुढ़ापे के अष्वरात जल्दी ज़ाहिर नहीं होते। रात के आँखरी पहर में जागने से स्मिहत (हैल्थ) और दिमाग़ पर अच्छे नतीजे सामने आते हैं। चेहरे की खूबसूरती और तरोताज़गी का राज़ सुबह तड़के जल्दी जागने के पीछे छुपा है। रात के आँखरी पहर में जागने और नमाज़ जैसी वर्जिश करने से कमर की सँगों (माँस पेशियाँ) मज़बूत होती है जिसकी वजह

जैद बिन अरकम (रजि.) ने कुछ लोगों को चाशत की नमाज़ अदा करते देखा तो कहा, ‘क्या लोगों को इल्लम नहीं कि इस वक्त के अलावा दूसरा वक्त इस नमाज़ के लिये अफ़ज़ल है और ये वो वक्त है जिसके बारे में रसूलुल्लाह (ﷺ) ने फ़र्माया, ‘नमाज़े अव्वाबीन का वक्त तब ही होता है जब ऊँट के बच्चों के पांव जलने लगें।’ (मुख्तसर सहीह मुस्लिम लिल्अल्बानी, हृदीष नम्बर : 388, नमाज़ के मसाइल अज़ मुहम्मद इक्बाल कीलानी)

बुकूर, दिन के पहले हिस्से में अल्लाह तआला ने कौन-कौनसी रहमतों, बरकतों और मेहरबानियों के नायाब गौहर (रत्न-जवाहरात) रख दिये हैं? कुर्�আন व हृदीष की इल्हामी इबारत इनकी वज़ाहत कैसे करती हैं?

## सहर की इबादतें

हज़रत अबू हुरैरह (रजि.) रिवायत करते हैं कि अल्लाह के रसूल (ﷺ) ने इशाद फ़र्माया,

और हमारा रब हर रात, जब उसका तिहाई हिस्सा बाक़ी रह जाता है, आसमाने दुनिया पर तजल्ली फ़र्मता है और कहता है, ‘कौन है जो मुझसे दुआ करे कि मैं उसकी दुआ कुबूल करूँ? कौन है जो मुझसे कुछ माँगे कि मैं उसको अत्ता करूँ? कौन है जो मुझसे अपने गुनाहों की मुआफ़ी तलब करे कि मैं उसे मुआफ़ कर दूँ?’

(मुख्तसर सहीह बुखारी : 606)

‘रात की एक घड़ी ऐसी है कि जिसमें मोमिन बन्दा अल्लाह से दुनिया व आखिरत की भलाई तलब